अति–आवश्यक/महत्वपूर्ण
विधान सभा मामला

कार्यालय मुख्य अभियन्ता (सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
एल. एम. बंध कार्यालय परिसर, शास्त्री नगर, दिल्ली–110031

पत्र सं. : सी.ई.एफ./एस.एस.डब्लू/विधान सभा प्रश्न/2019/ **दिनांक**

सेवा में,

उपसचिव (प्रश्न शाखा),
दिल्ली विधानसभा,
पुराना सचिवालय,
नई दिल्ली – 110054

विषय :– विधानसभा लिखित उत्तर (अतारांकित) प्रश्न संख्या 51 दिनांक 25–02–2019 के संदर्भ में।

महोदय,

कृप्या माननीय मंत्री, कार्यालय विकास एवं सिंचाई एवं बाढ़ मंत्रालय द्वारा प्रेषित ई– मेल पत्र का अवलोकन करें, जिसके साथ विधानसभा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली, (अतारांकित) प्रश्न संख्या 51 की सूची उत्तर हेतु भेजी गई है, जिसके तहत सोमवार दिनांक 25/02/2019 के लिए लिखित उत्तरों की 100 प्रतियां सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग से मांगी गई थी।

अतः निर्देशानुसार उपरोक्त विषय प्रश्न के स्वीकृत उत्तर की 100 प्रतियां आपको आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न है।

भवदीय,

संलग्नक : उपरोक्त

शिव कुमार
(शिव कुमार)
कार्य सर्वेक्षक
दिनांक 22-2-19

पत्र सं. : सी.ई.एफ./एस.एस.डब्लू/विधान सभा प्रश्न/2019/2219-22

प्रतिलिपि सूचनार्थ हेतु प्रेषित :

1 अधीक्षक, माननीय विकास एवं सिंचाई एवं बाढ़ मंत्रालय, 7वां तल, ए विंग, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली।
2 सचिव, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, वरूणालय भवन, झंडेवालान, करोल बाग, दिल्ली।
3 निदेशक, सूचना एवं प्रसारण निदेशालय, पुराना सचिवालय, नई दिल्ली – 110054 (150 प्रतियां)

शिव कुमार
कार्य सर्वेक्षक

अतारांकित प्रश्न संख्या : 51

दिनांक : 25–02–2019

प्रश्नकर्ता का नाम : श्री पंकज पुष्कर

क्या सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:–

क्र.सं.	प्रश्न	उत्तर
क)	वजीराबाद गॉव के साथ बसी संगम विहार कॉलोनी में अंतिम बार बाढ़ कब आई थी,	दिल्ली में यमुना नदी से अंतिम बार बाढ़ वर्ष 1978 में आई थी ।
ख)	वर्तमान में संगम विहार में बाढ़ आने की क्या संभावना है,	यमुना नदी से संगम विहार में बाढ़ आने की कोई संभावना नहीं है । इसको रोकने के लिए यमुना बांध (RME) और जगतपुरी बांध का निर्माण किया गया है ।
ग)	संगम विहार में बाढ़ न आ सके उसके लिए विभाग ने क्या क्या उपाय किए और कब?	यमुना नदी के पानी से बाढ़ को रोकने के लिए यमुना बांध (RME) और जगतपुरी बांध का निर्माण किया गया है एवं उनका रख –रखाव किया जाता है ।